# पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड की

# दूसरी तिमाही वित्तवर्ष 18 की आय संबंधी बैठक का आमंत्रण

**07 नवम्बर, 2017**

**प्रबंधन : पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन की टीम**

| | |
|---|---|
| - श्री राजीव शर्मा | - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, |
| - श्री डी. रवि | - निदेशक (वाणिज्य), |
| - श्री सी. गंगोपाध्याय | - निदेशक (परियोजना), |
| - श्री एन.बी. गुप्ता | - निदेशक (वित्त) |

**सभापति - श्री आर. श्रीशंकर - प्रभुदास लीलाधर प्रा.लि.**

**भागीदार - सूची संलग्न**

# पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमटेड द्वितीय तिमाही वित्त वर्ष 18 की आय पर कांफ्रेंस कॉल

- **सभापति**

- अभिवादन है भद्रजनो एवं प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड की मेजबानी में पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन** लिमिटेड द्वारा वित्त वर्ष 18 की द्वितीय तिमाही की आय पर कांफ्रेंस कॉल के अवसर पर आप सबका गर्मजोशी से स्वागत है। पुन: याद दिला दूँ कि सभी भागीदार केवल परिचर्चा सुनेंगे और समापन के पश्चात उन्हें प्रश्न पूछने का अवसर दिया जायेगा। बैठक के दौरान किसी सहायता के लिए आप अपने टच टोन फोन पर * दबाकर और तत्पश्चात 0 दबाकर ऑपरेटर को संकेत देंगे। कृपया ध्यान दें कि इस बैठक की कार्यवाही रिकार्ड की जा रही है। अब मैं प्रभुदास लीलाधर की ओर से बैठक का संचालन श्री श्रीशंकर के सुपुर्द करता हूँ। आपके यहाँ पधारने के लिए धन्यवाद।

- **श्री आर. श्रीशंकर-प्रभुदास लीलाधर प्रा.लि.**

- आपको धन्यवाद अली। भद्रजनों को नमस्कार। मैं पावर **कॉर्पोरेशन** ऑफ इण्डिया की वित्त वर्ष 18 की द्वितीय तिमाही की आय पर कांफ्रेंस कॉल में आपका स्वागत करता हूँ। मुझे श्री राजीव शर्मा, अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, श्री एन.बी. गुप्ता, निदेशक (वित्त), श्री डी. रवि, निदेशक (वाणिज्य) तथा श्री सी. गंगोपाध्याय, निदेशक परियोजना का स्वागत करते हुए अपार हर्ष हो रहा है जो निवेशकों तथा विश्लेषकों को समस्त प्रश्नों का उत्तर देने के लिए फोन पर उपलब्ध हैं। अब मैं श्री राजीव शर्मा से वित्त वर्ष 18 की द्वितीय तिमाही के परिणामों की संक्षिप्त जानकारी देने तथा कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का आग्रह करता हूँ। आइए श्रीमान।

- **श्री राजीव शर्मा - अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- बहुत-बहुत धन्यवाद। सबको नमस्कार। मैं 30 सितम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणामों पर इस कांफ्रेस कॉल में आप सबका स्वागत करता हूँ। जहाँ तक प्रथम अर्द्धवार्षिक बनाम गत वर्ष की उल्लेखनीय बातों का प्रश्न है तो हमने प्रथम छमाही में रु. 62,700 करोड़ के ऋण स्वीकृत किये हैं। इसके अतिरिक्त 30 सितम्बर, 2017 के पश्चात हमने लगभग रु. 10,000 करोड़ के ऋण की स्वीकृति का अनुमोदन किया है। भुगतान में रु. 22,265 करोड़ की तुलना में रु. 26,669 करोड़ अर्थात 20% वृद्धि दर्ज की है। नवीकरणीय भुगतान में रु. 471 करोड़ से बढ़कर रु. 2,372 करोड़ की वृद्धि दर्ज हुई है। निबल ऋण परिसम्पत्ति रु.

2,34,200 करोड़ से 8% की वृद्धि के साथ रु. 2,53,500 करोड़ हो गयी है। इस प्रकार व्यापार में ठोस वृद्धि हुई है।

- इस वर्ष की द्वितीय तिमाही तथा प्रथम छमाही के दौरान सीमान्त के सम्बन्ध में क्रमश 2.52% तथा 2.64% की गिरावट हुई है जिसका प्रमुख कारण कुछ मानक परिसम्पत्तियों पर आय का परिज्ञान न हो पाना तथा द्वितीय तिमाही में नए एनपीए का समावेश है। वर्तमान में इस वर्ष की प्रथम छमाही हेतु हमारा सीमान्त विस्तार 3% से अधिक है और हमें वर्तमान स्तर के आसपास सीमान्त विस्तार बनाये रखने की आशा है। परिसम्पत्ति गुणवत्ता के सम्बन्ध में सर्वप्रथम मैं आपको बताने में हर्ष का अनुभव करता हूँ कि जैसा कि हमारे हालिया कांफ्रेंस कॉल एवं अन्य अन्तर्क्रियाओं में सूचित हुआ, द्वितीय तिमाही में लगभग रु. 11,000 करोड़ का उन्नयन हुआ। ये रु. 11,000 करोड़ के मध्य प्रदेश जेनको के ऋण थे। इस राशि में से रु. 5,400 करोड़ रु. उन्नयन मानक अर्थात प्रावधान का 9.6% व्युत्क्रमण है और रु. 5,600 करोड़ पुन: ढांचाकृत मानक श्रेणी तक उन्नत हुआ अर्थात प्रावधान का 5% व्युत्क्रमण। अत: द्वितीय तिमाही में एनपीए प्रावधानों का निबल व्युत्क्रमण लगभग रु. 800 करोड़ था।

- जहाँ तक द्वितीय तिमाही में नये एनपीए का प्रश्न है, हमने 2 खाते जोड़े हैं। रु. 119 करोड़ प्रावधान के साथ रु. 1,193 करोड़ का ईस्ट कोस्ट एनर्जी। इस परियोजना के लिए परियोजना के सकारात्मक तथ्यों में ईंधन का स्थानिक लाभ (तटवर्ती एवं भाड़ा सस्ता), समस्त अनापत्तियाँ यथास्थान, पूर्णत: समुन्नत तकनीक, 200 एकड़ उपलब्ध भूमि, 2 अन्य इकाइयों को जोड़ने की सम्भावना शामिल हैं। हमने एनसीएलटी के साथ फाइल प्रक्रिया का प्रारम्भ कर दिया है। परियोजना के सकारात्मक तथ्यों को देखते हुए हम इस परियोजना के अधिग्रहण के लिए विभिन्न संस्थानों तथा निवेशकों के परिचर्चा कर रहे हैं। दूसरा एनपीए रु. 4 करोड़ के प्रावधान के साथ रु. 38 करोड़ का सिक्किम पावर डेवलपमेंट **कॉर्पोरेशन** है। यह खाता एनपीए में परिवर्तित हो गया क्योंकि हमने ऋण अवधि को सीओडी के पश्चात तक विस्तारित कर दिया। हम आरबीआई 5/25 योजना का उपयोग नहीं कर सके क्योंकि इस योजना के लिए न्यूनतम वांछित ऋण रु. 250 करोड़ है। हम ऋणकर्ता से पुनर्गठित शर्तों पर सेवा की आशा करते हैं। और 1 वर्ष के पश्चात वित्त वर्ष 18-19 में इस खाते के मानक में परिवर्तित होने की आशा है। इन दोनों एनपीए के साथ एनपीए प्रावधानों पर निबल व्युत्क्रमण रु. 650 करोड़ है। इस लगभग रु. 650 करोड़ के प्रावधानों के पुनरांकन के विरुद्ध हमने विवेकपूर्ण ढंग से कुछ अतिरिक्त प्रावधान किये हैं। हमने दो ऋण पर रु. 222 करोड़ के 10% प्रावधान किये हैं जिसमें एस4ए का आह्वान किया गया है। झाबुआ परियोजना, रु. 38 करोड़ का प्रावधान तथा इण्डिया बुल्स अमरावती परियोजना के लिए रु. 184 करोड़ का प्रावधान। झाबुआ पावर मध्य प्रदेश में है, कार्यशील पूंजी निर्गम तथा निम्न संयन्त्र भार कारक के कारण 600 मेगावाट की कमी रही। विद्युत की खरीब 71% बने रहना, शेष व्यापारिक विक्रय पर होना इस परियोजना की

सकारात्मक बातें हैं। एफएसए 87% अनुबन्धित है, शेष मुक्त बाजार से है। संयन्त्र का प्रवर्तन पहले ही हो चुका है। इंडिया बुल्स अमरावरी 5X270 मेगावाट एमएसईडीसीएल द्वारा नियमित इनकार तथा कोयले की अनियमित आपूर्ति के कारण दबाव में है। संयन्त्र का मार्च 2015 से प्रवर्तन में आना इस परियोजना का सकारात्मक पहलू है। पीपीए एवं एफएसए यथास्थान हैं।

- उच्च न्यायालय के आदेशानुसार, हमने अपनी बहियों में रु. 5,100 करोड़ का आरकेएम पावर जेनरेशन ऋण मानक रूप में अनुरक्षित रखा है। किन्तु विवेकशीलता प्रदर्शित करते हुए हमने रु. 312 करोड़ के 10% का प्रावधान किया है। हमने स्वयं द्वितीय तिमाही में मानक परिसम्पत्तियों पर 0.4% की दर से तथा पुनर्संगठित मानक परिसम्पत्तियों पर 5% की दर से त्वरित प्रावधान किया है यद्यपि हमें इसे 31 मार्च, 2018 तक सम्पन्न करना अपेक्षित था। इन सबके साथ-साथ हमने वित्त वर्ष 18 की द्वितीय तिमाही में रु. 100 करोड़ का निबल अतिरिक्त प्रावधान किया है।

- इसके साथ वित्त वर्ष 18 की प्रथम तिमाही के 12.46% के सकल एनपीए के विरुद्ध एनपीए अनुपात इस द्वितीय तिमाही हेतु सकल एनपीए 8.33% बना रहा। द्वितीय तिमाही का सकल एनएपीए रु. 10,000 करोड़ घटकर रु. 31,500 करोड़ से रु. 21,500 करोड़ हो गया। 30 सितम्बर, 2017 को राज्य क्षेत्र के एनपीए के बिना सकल एनपीए 3.57% रहा। राज्य क्षेत्र के एनपीए के बिना वित्त वर्ष 18 कि द्वितीय तिमाही में निबल एनपीए 6.69% तथा प्रथम तिमाही में 10.48% रहा, 30 सितम्बर, 2017 को निबल एनपीए 2.33% रहा।

- रु. 21,503 करोड़ के सकल एनपीए में से एनपीए अनुपात 8.33% है। राज्य क्षेत्र के एनपीए रु. 12,281 करोड़ (अर्थात 4.67% का सकल एनपीए अनुपात) हैं जो आरबीआई मानदण्डों के कारण वित्त वर्ष 17 की चौथी तिमाही में एनपीए बन गये और जो क्रमिक रूप से व्युत्क्रमित होंगे। अन्य एनपीए रु. 9,222 करोड़ (अर्थात सकल एनपीए अनुपात 3.57%) हैं।

- राज्य क्षेत्र के रु. 12,281 करोड़ के एनपीए में से 55% अथवा रु. 6,748 करोड़ एनपीए पहले ही इस वर्ष की तृतीय तिमाही में अपग्रेड हो गये हैं। छत्तीसगढ़ मारवा परियोजना का रु. 6,748 करोड़ पुनर्गठित मानक में अपग्रेड हो गया है। अत: 5% के प्रावधान का व्युत्क्रमण। 45% अथवा रु. 5,221 करोड़ अगले वर्ष (अर्थात वित्त वर्ष 19 में 10% प्रावधान व्युत्क्रमण के साथ) अपग्रेड हो जायेगा। रायलसीमा के रु. 3,566 करोड़, यह एपीजीईएनसीओ की एक परियोजना है, लोअर जुराला तेलंगाना जीईएनसीओ ऋण के रु. 1143 करोड़ तथा टीएएनजीईएनसीओ ऋण के सहउत्पादन के रु. 512 करोड़ और 2012 से इसकी सेवा हो रही है।

- रु. 9,222 करोड़ के शेष एनपीए के सन्दर्भ में, तृतीय तिमाही में रु. 2 करोड़ का जेएण्डके ऋण का पूर्वभुगतान किया गया अत: हमारी एनपीए बहियों में से भी। जैसा कि पहले बताया जा चुका है रु. 38 करोड़ का सिक्किम

एनपीए वित्त वर्ष 18-19 में व्युत्क्रमित होगा। ईस्ट कोस्ट परियोजना के रु. 1,193 करोड़ की कुछ सकारात्मक बाते हैं जैसा कि पहले बताया जा चुका है, हमें आने वाले निवशकों या संस्थानों द्वारा इस परियोजना के अधिग्रहण की आशा है। इंड भारत उत्कल के रु. 1,368 करोड़, हम **प्रबंधन** में परिवर्तन के लिए बातचीत के उन्नत चरण में हैं। रु. 1,203 करोड़ के लिए हम जीवीके रेटल परियोजना हेतु जम्मू-कश्मीर सरकार से तथा जल पावर हेतु सिक्किम सरकार से इनके अधिग्रहण के लिए बातचीत कर रहे हैं। रु. 716 करोड़ की रत्नागिरि परियोजना के पुनरुद्धार हेतु पृथक्कीकरण की प्रक्रिया जारी है। शेष रु. 4,702 करोड़ की वसूली की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है जिसमें एनसीएलटी अन्वेषण शामिल है। रु. 9,222 करोड़ एनपीए हेतु पहले ही रु. 3304 करोड़ अर्थात 36% के प्रावधान किये जा चुके हैं।

- पुनर्संगठित परिसम्पत्तियाँ रु. 58,982 करोड़ की हैं, इसमें रु. 41,821 करोड़ सरकारी तथा रु. 17161 करोड़ निजी हैं। सरकारी ऋणकर्ताओं के परिप्रेक्ष्य में पुनर्संगठित खातों के सम्बन्ध में, रु. 41,821 करोड़ में से 67% अथ4त रु. 27,923 करोड़ पहले ही प्रवर्तित हो चुके हैं और वित्त वर्ष 18-19 में व्युत्क्रमित होंगे। 15% अथवा रु. 6,333 करोड़ के वित्त वर्ष 17-18 में प्रवर्तित होने की आशा है। 18% अथवा रु. 7,374 करोड़ वित्त वर्ष 18-19 में प्रवर्तित किये जाने की आशा है। मैं पुन: दुहराना चाहूँगा कि हमें सरकारी क्षेत्र के एनपीए तथा पुनर्संगठित खातों में कोई दबाव नहीं दिखाई देता है और इन ऋणों की नियमित रूप से सेवा जारी है।

- निजी खातों के परिप्रेक्ष्य में पुनर्संगठित खातों के सम्बन्ध में, प्रथम छमाही में पुनर्संगठित बही रु. 18,090 करोड़ से घटकर रु. 17,161 करोड़ हो गयी क्योंकि ईस्ट कोस्ट एनर्जी के रु. 1200 करोड़ के एक खाते को एनपीए के रूप में वर्गीकृत कर दिया गया था। अब पुनर्संगठित खातों में कोई अभिवर्द्धन नहीं है। अतिरिक्त राशि पहले से पुनर्संगठित परिसम्पत्तियों के बकाये में परिवर्तन के कारण है। निजी ऋणकर्ताओं के परिप्रेक्ष्य में रु. 17,161 करोड़ की पुनर्संगठित बही के सम्बन्ध में 38% अथवा रु. 6500 करोड़ पहले ही प्रवर्तित हो चुके हैं। स्वयं इस वित्त वर्ष 17-18 की तृतीय तिमाही में रु. 1370 करोड़ व्युत्क्रमित होने वाले हैं जिसमें 4.6% प्रावधान का व्युत्क्रमण है। यह परियोजना अनूपपुर की एमबी पावर है। रु. 432 करोड़ का व्युत्क्रमण वित्त वर्ष 19 की प्रथम तिमाही में होना है, 4.6% प्रावधान का व्युत्क्रमण। रु. 4700 करोड़ आरबीआई की योजनाओं जैसे एस4ए, एसडीआर आदि के अधीन है और इनके विरुद्ध व्युत्क्रमण प्रावधान आरबीआई के मानदण्डों के अनुरूप होंगे। 62% अथवा रु. 10,660 करोड़ क्रियान्वयन के अधीन परियोजनाएँ हैं, जिसके लिए हम प्रवर्तन को गति देने के लिए विभिन्न दाताओं के साथ विकल्पों की तलाश में परिचर्चा कर रहे हैं। 11,200 मेगावाट की क्षमता सहित इन 10 परियोजनाओं की पीपीए स्थिति के सम्बन्ध में, पीपीए 6150 मेगावाट की सीमा में उपलब्ध है अर्थात 55% क्षमता हेतु पीपीए उपलब्ध है।

- दबावग्रस्त आस्तियों के सन्दर्भ में हम दबावग्रस्त आस्तियों के पुनरुद्धार पर ध्यान केन्द्रित करके अपनी परिसम्पत्ति की गुणवत्ता सुधारने पर ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं। हमने दबावग्रस्त आस्तियों के पुनरुद्धार हेतु परियोजनावार नीति पर विचार करने के ले विभिन्न विकल्पों जैसे 5x25 एसडीआर, एस4ए, आईबीसी एवं अन्य ढांचाकारक मानदण्डों के विश्लेषण हेतु एक दबावग्रस्त परिसम्पत्ति पुनरुद्धार समूह का सृजन किया है। हमने दबाव के प्रारम्भिक लक्षणों की पहचान तथा त्वरित उपचार उपायों हेतु अलर्ट सृजित करने के लिए विशेष दृष्टिकोण के साथ परिसम्पत्ति समीक्षा तथा निगरानी इकाई का भी सृजन किया है। दबावग्रस्त आस्तियों, एनपीए के पुनरुद्धार के लिए हमने पहले ही विभिन्न उपाय किये हैं जैसे रु. 273 करोड़ की परियोजनाएँ सरफाएशी अथवा डीआरटी के माध्यम से वसूली जा रही हैं। रु. 3,500 करोड़ मूल्य की परियोजनाओं का पुनरुद्धार 5x25 योजना द्वारा किया गया। 5x25 द्वारा पुनरुद्धार के अधीन परियोजनाओं की लागत रु. 1,126 करोड़ है। एसडीआर के अधीन रु. 3,929 करोड़ है। बाहरी एसडीआर के अधीन रु. 503 करोड़ है। एस4ए के अधीन रु. 2,682 करोड़ है। आईबीसी के अधीन एनसीएलटी रु. 1,193 करोड़ है। परिसम्पत्तियों की बिक्री रु. 77 करोड़। रु. 4,450 करोड़ की परियोजनाएँ **प्रबंधन** में परिवर्तन हेतु विचाराधीन हैं। भारत सरकार भी प्रधानमन्त्री कार्यालय, नीति आयोग एवं ऊर्जा मन्त्रालय के माध्यम से दबावग्रस्त आस्तियों के पुनरुद्धार के उपाय ढूँढने के प्रयास में लगी है। ऊर्जा क्षेत्र के पीएसयू के मध्य संयुक्त उपक्रम के निर्माण पर भी विचार किया जा रहा है। संयुक्त उपक्रम दबावग्रस्त परियोजनाओं का अधिग्रहण करें तथा परियोजना विकल्पों के पुनरुद्धार की दिशा में कार्य करें, जैसे आरबीआई की एसडीआर, ओएसडीआर एवं एनसीएलटी आदि विभिन्न योजनाओं के अधीन अथवा आरबीआई से बाहरी योजनाओं के अधीन जब परियोजनाओं की बिक्री की जानी हो तो परियोजनाओं का अधिग्रहण करें, इन पर भी विचार किया जा रहा है।

- उत्पादन आस्तियों की प्रवर्तन स्थिति। हमारी सकल ऋण परिसम्पत्ति लगभग रु. 2.58 लाख करोड़ है। उत्पादन आस्तियाँ रु. 1.88 लाख करोड़। लगभग 79000 मेगावाट उत्पादन है जिसमें सरकारी स्वामित्व की परियोजनाएँ 80% हैं जिसका 75% (अर्थात 34,000 मेगावाट) पहले ही प्रवर्तित है। निजी स्वामित्व की परियोजनाएँ लगभग 20% हैं जिसका 45% (अर्थात 16,000 मेगावाट) पहले ही प्रवर्तित हो चुका है। अत: 70% अर्थात 50,200 मेगावाट की उत्पादन आस्तियाँ पहले ही प्रवर्तित हैं। केवल 30% अर्थात 28,800 मेगावाट का पोर्टफोलियो प्रवर्तित किया जाना है जिसका 58% वित्त वर्ष 17-18 में प्रवर्तित होना सम्भावित है, 37% **वित्त वर्ष** 18-19 में प्रवर्तित होने की सम्भावना है। हम निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि 70% पहले ही प्रवर्तित हो चुका है और 18% वित्त वर्ष 17-18 में प्रवर्तित हो जाने की सम्भावना है। अत: 88% अर्थात 62,400 मेगावा उत्पादन पोर्टफोलियो पहले ही प्रवर्तित हो चुका है अथवा वित्त वर्ष 17-18 में सीओडी स्वयं है।

- ऋण परिसम्पत्ति बही के सम्बन्ध में, निजी क्षेत्र के लिए ऋण परिसम्पत्तियाँ रु. 42,505 करोड़ हैं। मानक परिसम्पत्तियाँ 16,878 करोड़ (अर्थात 40%)। निजी सकल एनपीए-रु. 8,466 करोड़ (अर्थात 20%)। पहले से निर्मित प्रावधान रु. 3,017 करोड़ (अर्थात 36% पहले ही प्रावधानित है)। निजी पुनर्संगठित परिसम्पत्तियाँ रु. 17,161 करोड़ (अर्थात 40%)। पहले से निर्मित प्रावधान रु. 1,148 करोड़ (अर्थात 67% पहले से ही प्रावधानित है)। अशोध्य एवं संदिग्ध कर्ज हेतु कुल उपलब्ध आरक्षित रु. 3,236 करोड़। अत: रु. 25,627 करोड़ के निजी एनपीए अथवा पुनर्संगठित आस्तियों के विरुद्ध कुल प्रावधान एवं उपलब्ध आरक्षित रु. 11,000 करोड़। अर्थात 43% की व्याप्ति (कवरेज)।

- अब हम संसाधन संग्रहण की बात करें। जैसा कि पहले सूचित किया जा चुका है वित्त मन्त्रालय ने पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन** को 54 ईसी बाण्ड की अनुमति दी है, हमने 5.25% कूपन की दर से जुलाई 2017 में पूंजीगत लाभ बॉण्ड इश्यू जारी किए। तिमाही के दौरान कुल संग्रहण रु. 50 करोड़ से अधिक हो गया। इसके अतिरिक्त हमने द्वितीय तिमाही के दौरान 6.76% की सीमान्त लागत पर रु. 14,400 करोड़ की उगाही की। वित्त वर्ष 18 की प्रथम छमाही के दौरान कुल उधारियाँ 6.96% की सीमान्त लागत पर रु. 28,000 करोड़ थीं। हम अपनी उधारियों को विशाखीकृत करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों को टटोलना प्रारम्भ कर दिया है। 300 मिलियन डॉलर की ईसीबी ऋणदाताओं के सहायता संघों द्वारा वित्त पोषण हेतु पहले ही अनुबन्धित की जा चुकी है। हम इस वर्ष ग्रीन मसाला बॉण्ड के जरिये भी वित्त जुटाने की योजना बना रहे हैं। पूंजी पर्याप्तता अनुपात 19.90% है और आरबीआई की 15% की वांछनीयता के विरुद्ध टियर I पूंजी 16.90% तथा टियर I पूंजी हेतु 10% है।

- व्यापार प्रगति पर : 3-4 वर्षों में संवितरण हेतु रु. 1.64 लाख करोड़ की बकाया मंजूरी उपलब्ध है। हम नवीकरणीयों के वित्तपोषण पर ध्यान दे रहे हैं। वित्त वर्ष 17 में विशेष रूप से नवीकरणीयों में हमारी मंजूरी वित्त वर्ष 14 के रु. 570 करोड़ की तुलना में वित्त वर्ष 17 के दौरान रु. 7,065 करोड़ तक बढ़ गयी। और हमारे संवितरण वित्त वर्ष 14 के रु. 482 करोड़ की तुलना में वित्त वर्ष 17 में रु. 2,754 तक बढ़ गये। और वित्त वर्ष 18 की प्रथम छमाही में हमने नवीकरणीयों में रु. 2,372 करोड़ संवितरित किये।

- वर्तमान प्रवर्तित अथवा समाप्ति के निकट परम्परागत परियोजनाओं का पुनर्वित्तपोषण, जैसा कि पहले बताया जा चुका है, हमने द्वितीय तिमाही में एनटीपीसी के संयुक्त उपक्रम मेजा को रु. 3800 करोड़ संवितरित किये। हमने पुनर्वित्तपोषण प्रस्तावों में अगले दो माह अर्थात तृतीय तिमाही के दौरान लगभग रु. 1,000 करोड़ के संवितरण का लक्ष्य पहले ही रखा है। रु. 1,000 करोड़ की अन्य राशि के पुनर्वित्तपोषण प्रस्ताव मूल्यांकन एवं संवितरण के अधीन हैं जो इस वित्त वर्ष में पूर्ण होने की सम्भावना है। हम पुनर्वित्तपोषण को कठोरता से आगे बढ़ाना चाहते हैं। हम पारेषण तथा वितरण क्षेत्र के विस्तार के लिए भी गम्भीरतापूर्वक विचार कर रहे हैं।

जैसा कि पहले बताया जा चुका है, पीएफसी ने पहले ही गुड़गाँव में स्मार्ट ग्रिड पहलों के लिए ऋण संस्वीकृत किये हैं। पीएफसी रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन **कॉर्पोरेशन** के साथ परियोजना के वित्तपोषण हेतु साझेदारी कर रहा है। स्वतन्त्र पारेषण परियोजनाओं के वित्तपोषण हेतु नयी नीति का विकास हो रहा है और हम स्वतन्त्र पारेषण परियोजना क्षेत्र में इस नीति के तहत परियोजनाओं के वित्तपोषण हेतु सक्रिय रूप से ध्यान दे रहे हैं। हम ऋणदाताओं एवं डेवलपरों के साथ सार्क देशों में वित्तपोषण के विकल्पों की तलाश भी कर रहे हैं। आप लोगों को धन्यवाद। अब हम प्रश्न/उत्तर सत्र प्रारम्भ कर सकते हैं।

- **संचालक**

- बहुत-बहुत धन्यवाद। भद्रजनों अब हम प्रश्नोत्तर सत्र प्रारम्भ करेंगे। जो कोई भी प्रश्न पूछना चाहता है वह अपने टच टोन फोन पर * तथा 1 दबाये। यदि आप प्रश्न की कतार से अलग होना चाहते हैं तो आप * और 2 दबायें। प्रश्नकर्ताओं से अनुरोध है कि वे प्रश्न पूछते समय हैण्डसेट का प्रयोग करें। अब हम प्रश्न-पंक्ति तैयार होने तक प्रतीक्षा करेंगे। हम लाइन पर पहला प्रश्न एडेलवीज सिक्योरिटीज के कुणाल शाह से लेते हैं। जी पूछिए।

- श्री कुणाल शाह-एडेलवीज सिक्योरिटीज

- जी श्रीमान, परिसम्पत्ति गुणवत्ता के सन्दर्भ में आपने राज्य तथा ऊर्जा क्षेत्र में समग्र पुनर्संगठन एवं एनपीएल बही के प्रारूप के विषय में निश्चित रूप से उचित मार्गदर्शन किया है। लेकिन मैं कुछ ऐसी जानकारियाँ चाहता हूँ जो वास्तव में चूक जाती हैं। तो आपने अपग्रेड (उन्नयन) के विषय में निर्देशन किया था। किन्तु पुनर्संगठित से इसमें एक दबाव है यह वास्तव में एनपीएल में गायब हो सकता है अथवा कुछ ऐसा जो न तो एनपीएल में है और न पुनसंर्गठित है बल्कि कुछ ऐसा है जो निगरानी सूची में है और आने वाली तिमाही में घटित हो सकता है।

- **प्रबंधन-पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- सरकारी परियोजनाओं में कोई चूक नहीं है। निजी क्षेत्र में केएसके एनर्जी एक परियोजना है जिसकी दो इकाइयाँ पहले ही प्रवर्तित हैं। यह 6X600 मेगावाट की परियोजना है। तीसरी इकाई के दिसम्बर में प्रवर्तित होने की सम्भावना है जिसके लिए हमें 50% क्षमता का मान्य सीओडी प्राप्त करेंगे। और हम **प्रबंधन** में परिवर्तन का

भी प्रयास कर रहे हैं। हम डेवलपर के साथ कार्य कर रहे हैं किन्तु 4 इकाइयों के पास पहले ही पीपीए है। उन्हें शक्ति नामक कोल लिंकेज की नयी योजना के अधीन कोयला भी प्राप्त हो गया है। दूसरी परियोजना लांको अमरकंटक है जो लगभग 88% पूरी हो चुकी है और इस परियोजना को पूर्ण करने के लिए हम अन्य ऋणदाता के साथ कार्य कर रहे हैं। अत: यही दबाव है। हम नहीं कह सकते कि यह हमारे नियन्त्रण से बाहर जा रहा है किन्तु हम अपना पूरा प्रयास कर रहे हैं और जब हम पूर्णत: आश्वस्त हो जायेंगे कि हम इन परियोजनाओं के इन मुद्दों पर विजय प्राप्त करने में समर्थ होंगे तभी हम कुछ ठोस आश्वासन दे पायेंगे।

- **श्री कुणाल शाह-एडेलवीज सिक्योरिटीज**

- ठीक है। और अभिज्ञान के सन्दर्भ में यदि योजना के अनुसार कार्य उचित दिशा में न हो रहा हो.... हो सकता है कि सकारात्मक विकास सम्भव न हो पाये, तो अभिज्ञान के सन्दर्भ में यह हो सकता है.....

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- जब ऐसी स्थिति आयेगी तो हम इससे निपट लेंगे। चिन्ता की कोई बात नहीं।

- **श्री कुणाल शाह-एडेलवीज सिक्योरिटीज**

- ठीक है। लेकिन क्या केएसके एवं अमरकंटक पर अधिक ध्यान होगा? और केएसके पर कितना ध्यान होगा?

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- लगभग 2500 करोड़ प्रत्येक।

- **श्री कुणाल शाह-एडेलवीज सिक्योरिटीज**

- 2500 करोड़ प्रत्येक।

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- हाँ।

- **श्री कुणाल शाह-एडेलवीज सिक्योरिटीज**

- ठीक है। तो इन दोनों को निगरानी सूची में रखा जायेगा। और दूसरा, सीमान्त के सन्दर्भ में, और उत्पादन के सन्दर्भ में, जैसा कि रिपोर्ट किया गया जो कि 10.75 है, इसकी तुलना में परिसम्पत्तियों का क्रमिक उत्पादन कितना है? और क्या हम निरन्तर प्रतियोगिता को कुछ बढ़ते हुए देख रहे हैं अथवा समग्र व्यापार की तुलना में एसईबी के स्वास्थ्य के कारण समग्र व्यापार की तुलना में दरें कम होती जा रही हैं?

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- नहीं, हम अपने सीमान्त लगभग बनाये रखे हुए हैं। यह दो परियोजनाओं के कारण है, पहली परियोजना जो ईस्ट कोस्ट है वह एनपीए में चली गयी और हमें इससे आय नहीं हो रही है। और आरकेएम से हमें आय नहीं प्राप्त हो रही है।

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- देखिए, जब हमने अपने खाते प्रकटित किये तो यह हमारी कुल परिसम्पत्ति पर है। इसके अन्तर्गत वे परिसम्पत्तियाँ हैं जिनसे एनपीए के कारण हमें आय नहीं हो रही है। अत: यदि हम वास्तव में आय प्रदान करने वाली परिसम्पत्तियों पर विचार करें तो हमारे खाते कमोबेश वैसे ही हैं जैसे पहले थे।

- **श्री कुणाल शाह-एडेलवीज सिक्योरिटीज**

- ठीक है। वृद्धिशील उधार दरें क्या है? ये क्या हैं?

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- वृद्धिशील उधार दरें लगभग 3%.....

- **श्री कुणाल शाह-एडेलवीज सिक्योरिटीज**

- नहीं उधार दर, उधार दर।

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- सीमान्त उधार दर इस छमाही हेतु लगभग 10.67% है। जो कि बहुत अच्छा है। क्योंकि मैं लगभग 7-6.9% के लगभग वित्त की उगाही कर रहा हूँ। तो हम लगभग ठीक हैं-मैं कहूँगा कि हम अपने सीमान्त बनाये रखने में सक्षम हैं।

- **श्री कुणाल शाह-एडेलवीज सिक्योरिटीज**

- ठीक है, ठीक है। बहुत-बहुत धन्यवाद।

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- आपको भी।

- **संचालक**

- धन्यवाद। हम अगला प्रश्न दैव कैपिटल के श्री पुनीत श्रीवास्तव से लेंगे। कृपया पूछें।

- **श्री पुनीत श्रीवास्तव-दैव कैपिटल**

- नमस्कार श्रीमान। श्रीमान पुन: इस स्प्रेड (कीमत-लागत अन्तर) के सम्बन्ध में मेरा विश्वास है कि गत तिमाही में हमें निर्देशन मिला था, आपने कहा था कि 3% का वृद्धिशील स्प्रेड तथा लगभग 3% का समग्र स्प्रेड अनुरक्षित किया जा सकता है। लेकिन आपने इन दोनों खातों के विषय में भी उल्लेख किया था। किन्तु इसके अतिरिक्त बकाया ऋण बही पर क्या आप हमें बता सकते हैं कि एसईबी के अतिरिक्त किस प्रकार का दबाव है, मेरा मतलब किस प्रकार का दबाव आ रहा है और आपको बकाया बही में किस प्रकार का स्प्रेड देखते हैं?

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- राज्य क्षेत्र से हमारे ऊपर कोई दबाव नहीं है। हम प्रत्येक एसईबी, स्टेट पावर यूटिलिटीज को लगभग 10 से अधिक, 10% से अधिक उधार दे रहे हैं। और हम अपने सीमान्त अनुरक्षित करने में सक्षम हैं। और भविष्य में भी मुझे कोई दबाव नहीं दिखाई देता है।

- **श्री पुनीत श्रीवास्तव-दैव कैपिटल**

- तो श्रीमान यदि आप अब 3% का वृद्धिशील स्प्रेड कर रहे हैं तो क्या हम कह सकते हैं कि समग्र स्प्रेड के लिए क्या हम इसे स्थिर मान सकते हैं या इसमें कुछ उन्नति होगी?

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- देखिए, जैसा पहले कहा जा चुका है स्प्रेड कमोबेश एक जैसा है। कुछ परिसम्पत्तियों के कारण वे एनपीए की श्रेणी में आ गये जहाँ से हमें आय नहीं प्राप्त हो रही है। और जब हम 2.52 की घोषणा करते हैं तो यह मेरी कुल परिसम्पत्ति की ओर से होता है। यदि मैं आय अर्जित न करने वाली परिसम्पत्तियों के निकाल दूँ तो स्प्रेड लगभग वही रहता है। यह लगभग 2.78 या 2.80 है जो कि पहले भी यही था।

- **श्री पुनीत श्रीवास्तव-दैव कैपिटल**

- ठीक है श्रीमान। एक प्रश्न बैंकों से सम्बन्धित और जो इस पुनर्पूंजीकरण बाण्ड तथा पीएसयू बैंकों के पुनर्पूंजीकरण के समाचारों में हैं। श्रीमान आप आगे के परिदृश्य के विषय में क्या सोचते हैं? क्या आप इसे एसबीआई जैसे बैंकों तथा सम्पूर्ण ऊर्जा क्षेत्र से आने वाली अधिक प्रतिस्पर्द्धा के रूप में देखते हैं? अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करें।

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- एसबीआई को अधिक पूंजी की आवश्यकता नहीं है। लेकिन छोटे बैंकों को मैं अपने प्रतिस्पर्द्धी के रूप में नहीं देखता। साथ ही उनकी क्षेत्रीय सीमाओं तथा अन्य वस्तुओं को भी बल्कि हम उनसे और अधिक वित्त प्राप्त करने में सक्षम होंगे और हम बैंकों के साथ सहायता संघ के रूप में वित्तपोषण करने में समर्थ होंगे। अभी हाल ही में नेवेली लिग्नाइट **कॉर्पोरेशन** में भारतीय स्टेट बैंक के साथ हमें अत्यन्त 9.99% की प्रतिस्पर्द्धी दरें मिलीं। 3X660 मेगावाट घाटम ताप विद्युत परियोजना। गत सप्ताह, इस सप्ताह मेरे विचार से हमें यह प्राप्त हो गया।

- **श्री पुनीत श्रीवास्तव-दैव कैपिटल**

- ठीक है श्रीमान, धन्यवाद।

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- बहुत-बहुत धन्यवाद

- **संचालक**

- धन्यवाद। अगला प्रश्न लेने से पूर्व मैं भागीदारों को याद दिलाना चाहता हूँ कि आप प्रश्न पूछने के लिए * तथा 1 दबा सकते हैं। अब हम अगला प्रश्न वैलुम कैपिटल के अर्श देसाई से लेते हैं। कृपया प्रश्न पूछें।

- **श्री अर्श देसाई-वैलुम कैपिटल**

- वैलुम कैपिटल से मैं अर्श देसाई हूँ। मैं केवल यह पूछना चाहता हूँ कि आपके अल्पकालीन ऋण आपकी कुल परिसम्पत्ति के 3% से 8% तक हैं और आपके बाण्ड नीचे आ गये हैं। अल्पकालीन ऋणों में इस परिवर्तन का कोई महत्त्वपूर्ण कारण? और साथ ही मैं आपसे 8% वृद्धि के बारे में पूछना चाहता हूँ। क्या आप इसे भविष्य में बरकरार रख पायेंगे?

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

~~- यह उदय योजना के प्रावधानों के अधीन है जो उधारियों सहित गत वर्ष के राजस्व का 25% तक है।~~

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- वास्तव में यह केवल 8% है जो मेरी अल्पकालीन उधारियाँ हैं। और हम अल्पकालीन ऋण भी देते रहे हैं। अत: हम अपने अल्पकालीन योजना तथा अल्पकालीन उधारियों में सन्तुलन का प्रयास कर रहे हैं। चूंकि हमने इस विशेष तिमाही में ऋण दिये, उधारियों में भी इसी प्रकार की पर्याप्त कमियाँ रहीं।

- **श्री अर्श देसाई-वैलूम कैपिटल**

- ठीक। और विकास करते हुए क्या आप सोचते हैं कि आप 8% की वृद्धि बनाये रखने में सक्षम रहेंगे?

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- हाँ, हां, बिल्कुल। कोई परेशानी नहीं।

- **श्री अर्श देसाई-वैलूम कैपिटल**

- इसे बनाये रखना कोई मुद्दा नहीं। और यदि आप अपने गैर-निष्पादनीय ऋणों के सम्बन्ध में कुछ स्पष्टीकरण दें तो अच्छा रहेगा। वित्त वर्ष 20 तक सभी प्रतिवर्तनों पर विचार करते हुए जिसके विषय में आपने बताया और यह विचार करते हुए कि कोई नया ऋण एनपीए नहीं संयोजित किया जायेगा, एनपीए की संख्या कितनी होने की सम्भावना है?

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- राज्य सरकार के संगठनों पर विचार किये बिना एनपीए अनुपात सकल एनपीए है जो लगभग 3.75% होगा।

- **श्री अर्श देसाई-वैलूम कैपिटल**

- ठीक है, ठीक है, धन्यवाद?

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- बहुत-बहुत धन्यवाद।

- **संचालक**

- धन्यवाद। अगला प्रश्न लेने से पूर्व मैं भागीदारों को याद दिलाना चाहता हूँ कि आप प्रश्न पूछने के लिए * तथा 1 दबा सकते हैं। अब हम अगला प्रश्न फ्यूचर जेनराली के श्री श्रीजन सिन्हा से लेते हैं। कृपया पूछें।

- **श्री श्रीजन सिन्हा - फ्यूचर जेनराली लाइफ इंश्योरेंस**

- मुझे प्रश्न करने का अवसर देने के लिए धन्यवाद श्रीमान। श्रीमान मैं 27000 करोड़ की राज्य परिसम्पत्तियों में जानना चाहता हूँ कि पुनर्संगठित श्रेणी में कौन-सी हैं, क्या इसके उन्नयन के लिए कोई समय-सीमा है? मेरा मतलब है कि हम इन परिसम्पत्तियों के उन्नयन की आशा कब तक करें?

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- हाँ। रु. 27,923 करोड़ पहले ही प्रवर्तित हो चुके हैं और 18-19 में इसका प्रतिवर्तन होगा।

- **श्री श्रीजन सिन्हा - फ्यूचर जेनराली लाइफ इंश्योरेंस**

- वित्त वर्ष 18-19.

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- और ये परियोजनाएँ हैं कर्नाटक के रायचूर में-रु. 8,552 करोड़, तेलंगाना के सिंगरेनी में-रु. 4278 करोड़, महाराष्ट्र के कोराडी में-रु. 9,068 करोड़, मध्य प्रदेश के मालवा में-रु. 5,591 करोड़, तेलंगाना के नागार्जुन सागर में-रु. 434 करोड़।

- **श्री श्रीजन सिन्हा - फ्यूचर जेनराली लाइफ इंश्योरेंस**

- ठीक है। उन्नयन के सन्दर्भ में जो हमें इस तिमाही में 11000 करोड़ से प्राप्त हुआ, लगभग 5600 करोड़ मानक पुनर्संगठित में चला गया। मैं केवल इससे सम्बन्धित दिशा-निर्देश समझना चाहता हूँ। इन्हें मानक परिसम्पत्तियों में उन्नत क्यों नहीं किया जा सका?

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- देखिए, आरबीआ के मानदण्डों के अनुसार परिसम्पत्तियों को सर्वप्रथम अन्तरित करने की आवश्यकता होती है, एनपीए से पुनर्संगठित में उन्नत किया जाता है। और केवल इसके पश्चात ही मानक परिसम्पत्तियों में परिवर्तित कर सकते हैं। इसलिए मेरे विचार से 1 वर्ष के पश्चात इसे मानक में उन्नत कर दिया जायेगा।

- **श्री श्रीजन सिन्हा - फ्यूचर जेनराली लाइफ इंश्योरेंस**

- लेकिन आधी परिसम्पत्तियों को मानक के रूप में वर्गीकृत किया गया है? सच है ना?

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- देखिए अनेक ऋण थे। ऋणकर्ता की संकल्पना के रूप में जितने में ऋण एमपी हैं वे एनपीए हो जाते हैं। लेकिन यह ऋण जो एनपीए था उसे पुनर्संगठित करने पर यह पुनर्संगठित की श्रेणी में आ जाता है, अन्यथा ऋणकर्ता के कारण जो सभी एनपीए हो गये वे मानक वर्ग में आ गये।

- **श्री श्रीजन सिन्हा - फ्यूचर जेनराली लाइफ इंश्योरेंस**

- ठीक है, समझ गया। धन्यवाद। दूसरा प्रश्न यह है कि मैं समझना चाहता हूँ कि निजी एनपीए के 9000 करोड़ में से इन एनपीए की काल-प्रभावन प्रोफाइल क्या है? क्या हमें आगे बढ़ने के लिए इसे और अधिक उपलब्ध कराना होगा?

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- पहले ही 3304 करोड़ जो लगभग 36% है, पहले ही प्रावधानित किया जा चुका है।

- **श्री श्रीजन सिन्हा - फ्यूचर जेनराली लाइफ इंश्योरेंस**

- ठीक। लेकिन काल-प्रभावन प्रोफाइल क्या है? ये एनपीए कितने पुराने हैं? क्या आने वाले समय में हमें किसी वृद्धिशील प्रावधान की आवश्यकता.....

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- देखिए कि हम अब तक क्या कर रहे हैं। इस वर्ष भी हमें इस तिमाही में भी रहे हमने एक मामले को 20% से 30% तक पहुँचाया। अत: आरबीआई के मानदण्डों के अनुसार जो भी वांछित है हम उसे उपलब्ध करा रहे हैं।

- **श्री श्रीजन सिन्हा - फ्यूचर जेनराली लाइफ इंश्योरेंस**

- ठीक है। और मेरा अन्तिम प्रश्न संवितरण से सम्बन्धित है। आप अगले 2-3 तिमाहियों में कितने संवितरण की आशा करते हैं?

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- पहले ही 1.64 करोड़ स्वीकृत किये जा चुके हैं। इसलिए हमें संवितरण में कोई कठिनाई नहीं दिखाई देती।

- **श्री श्रीजन सिन्हा - फ्यूचर जेनराली लाइफ इंश्योरेंस**

- ठीक है, कोई अनुमानित आंकड़ा जिसे आप बताना चाहें?

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- गत वर्ष से यह उत्तम होना चाहिए।

- **श्री श्रीजन सिन्हा - फ्यूचर जेनराली लाइफ इंश्योरेंस**

- ठीक है, ठीक है। बहुत-बहुत धन्यवाद श्रीमान। प्रश्न के अवसर के लिए धन्यवाद।

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- धन्यवाद।

- **संचालक**

- आपको धन्यवाद। अब हम अगला प्रश्न आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के श्री हर्षित तोशनीवाल से लेंगे। कृपया पूछिए।

- **श्री हर्षित तोसनीवाल - आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज**

- श्रीमान हाउसकीपिंग (गृहसज्जा) से जुड़ा प्रश्न है। श्रीमान जी आपने कहा कि इस विशेष तिमाही में दो परिसम्पत्तियाँ विचलित हुई हैं, सिक्किम पावर डेवलपमेंट इनमें से एक था क्या आप दूसरे का नाम दुबारा बतायेंगे?

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- ईस्ट कोस्ट।

- **श्री हर्षित तोसनीवाल - आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज**

- उसकी राशि और .... मैं वास्तव में उस अंश पर ध्यान नहीं दे पाया।

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- कोई बात नहीं। ईस्ट कोस्ट रु. 1,1193 करोड़ है और हमने रु. 119 करोड़ उपलब्ध कराये हैं। यह आन्ध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में 2X660 मेगावाट की परियोजना है। इसकी तटीय परियोजना तथा 2X660 मेगावाट हेतु अतिरिक्त भूमि उपलब्ध है। अत: हम संस्थानों तथा डेवलपरों से इस परियोजना के विषय में बातचीत करने का प्रयास कर रहे हैं। और इस परियोजना की स्थिति ऐसी है कि इसे सरलता से ईंधन, सभी प्रकार की अनापत्तियाँ, सर्वोत्तम तकनीक, 2000 एकड़ उपलब्ध भूमि प्राप्त है और हमने एनसीएलटी के पास प्रस्तुत करने की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी है।

- **श्री हर्षित तोसनीवाल - आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज**

- ठीक है। और क्या यह पहले पुनर्संगठित था या मानक?

- **प्रबंधन** - पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन**

- ~~मानक*.~~

*पुनर्संगठित मानक

- **श्री हर्षित तोसनीवाल - आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज**

- यह मानक था। ठीक है श्रीमान, धन्यवाद।

- **संचालक**

- धन्यवाद। अब हम अगला प्रश्न जेफरीज के नीलांजन करफा से लेंगे। कृपया पूछिए।

- **श्री नीलांजन करफा-जेफरीज**

- श्रीमान जी मैं प्रारम्भिक टिप्पणियों पर ध्यान नहीं दे पाया जब आप अपनी प्रत्याशित वसूलियों तथा उन्नयनों के विषय में बता रह थे। तो कृपया आप मुझे इस समय से 18 मार्च तक तथा 1 अप्रैल, 2018 से मार्च 2019 के बीच के विषय में बतायेंगे कि आप एनपीएल, निजी एनपीएल, राज्य पुनर्संगठित तथा निजी पुनर्संगठित से उन्नयनों के लिए क्या आशा रखते हैं? मुझे दु:ख है कि मुझे यह दुहराना पड़ रहा है।

- **-प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- कोई बात नहीं। राज्य क्षेत्र का एनपीए रु. 12,281 करोड़, 55% या रु. 6,748 करोड़ पहले ही इस वर्ष की तृतीय तिमाही में उन्नत हो चुका है।

- **श्री नीलांजन करफा-जेफरीज**

- ठीक है श्रीमान।

- **-प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- छत्तीसगढ़ मारवा परियोजना का 6,748 करोड़ पुनर्संगठित मानक में उन्नत हो चुका है। और 45% अथवा रु. 5221 करोड़ 10% प्राविधानिक प्रतिवर्तन के साथ अगले वर्ष अर्थात वित्त वर्ष 19 में अपग्रेड हो जायेगा। रायलसीमा एपीजीईएनसीओ ऋण का रु. 3,566 करोड़ तथा दूसरा लोअर जुराला तेलंगाना जीईएनसीओ ऋण का रु. 1,143 करोड़। और सह-उत्पादन, टैंजेडको ऋण का 512 करोड़।

- **श्री नीलांजन करफा-जेफरीज**

- ठीक है श्रीमान।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- और रु. 9,222 करोड़ के एनपीए के सन्दर्भ में, जेएण्डके ऋण क3 2 करोड़ तृतीय तिमाही में पूर्व भुगतान कर दिया गया था और यह हमारी एनपीए बही से बाहर है।

- **श्री नीलांजन करफा-जेफरीज**

- ठीक है श्रीमान।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- सिक्किम एनपीए का 38 करोड़ जो 18-19 में प्रतिवर्तित होने वाला है उसके बारे में पहले ही बता दिया है।

- **श्री नीलांजन करफा-जेफरीज**

- ठीक है श्रीमान।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- सकारात्मक के रूप में रु. 1,193 करोड़ की ईस्ट कोस्ट परियोजना के विषय में पहले भी बताया है कि इसे निवेशकों या संस्थानों द्वारा अधिग्रहीत करने की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है।

- **श्री नीलांजन करफा-जेफरीज**

- ठीक है श्रीमान।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- रु. 1,369 करोड़ के इंड भारत उत्कल के विषय में अब हम **प्रबंधन** में परिवर्तन के लिए राज्य के साथ बातचीत कर रहे हैं।

- **श्री नीलांजन करफा-जेफरीज**

- ठीक है श्रीमान।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- और रु. 1,203 करोड़ की रैटल जल विद्युत परियोजना के विषय में जम्मू-कश्मीर सरकार से तथा जल पावर परियोजना के विषय में सिक्कम सरकार से बातचीत कर रहे हैं।

- **श्री नीलांजन करफा-जेफरीज**

- रैटल, ठीक है, ठीक है, ठीक है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- रु. 716 करोड़ की रत्नागिरि परियोजना के पुनरुद्धार हेतु पृथक्कीकरण की प्रक्रिया जारी है।

- **श्री नीलांजन करफा-जेफरीज**

- बिल्कुल श्रीमान।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- और शेष रु. 4,702 करोड़ की वसूली कार्यवाहियाँ जारी हैं जिसमें एनसीएलटी, डीआरटी, सरफाएशी आदि की सहायता शामिल है।

- **श्री नीलांजन करफा-जेफरीज**

- ठीक है, ठीक है। यह बहुत कारगर है श्रीमान। क्या आप मुझे कृपया यह समझायेंगे कि यदि हम पिछले दशकों की ओर देखें जैसे 2006 से 2010 के बीच, तो आपकी उधारी लागत लगभग एक जैसी रही। लेकिन तब हमारी स्प्रेड बहुत कम होती थी। तो मूल रूप से क्या हम इस सीमान्त को इसलिए स्वीकार कर रहे हैं कि पिछले दशकों की अपेक्षा अब कोई प्रतिस्पर्द्धा नहीं है या कम है? क्या यह उचित मूल्यांकन है?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- नहीं, हम अपने सीमान्त सदैव बनाये रखने में सफल रहे हैं। अपने वित्त के उपयोग की गतिशीलता के कारण मैं ऐसा कह सकता हूँ।

- **श्री नीलांजन करफा-जेफरीज**

- यदि हम 2006 से 2008, 09, 10 के दशक को देखें तो हमारे उपयोग में लाये गये वित्त की लागत लगभग एक जैसी रही। 8.1, 8.2 आदि।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- यदि आप 2013-14 के दौरान देखें तो हमारा स्प्रेड 3.8/3.9% रहा है।

- **श्री नीलांजन करफा-जेफरीज**

- ठीक है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- क्योंकि अब ऐसा हुआ है कि उदय योजना आदि के पश्चात बैंकों से प्रतिस्पर्द्धा बढ़ी है, सभी राज्य सस्ते दरों पर प्राप्त कर रहे हैं। अत: हमें अपनी ब्याज दरों में संशोधन करना पड़ेगा। अत: यदि हम गत 2 वर्षों से तुलना करें तो यह कम हुआ है।

- **श्री नीलांजन करफा-जेफरीज**

- मूलत: आप कह रहे हैं कि यदि हम एनपीए के कारण आय नहीं प्राप्त कर रहे हैं तो हम जो कुछ प्रभारित कर रहे हैं वह वास्तव में हमने जो पाया है उससे कई गुना अधिक है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- नहीं, कई गुना नहीं। क्योंकि देखिए, मेरा एनपीए केवल रु. 9,000 करोड़ है। राज्य क्षेत्र से हमें सारा राजस्व प्राप्त हो रहा है और इसे नकदी आधार पर देखा जा रहा है। इसलिए राज्य क्षेत्र से आय का जहाँ तक सम्बन्ध है ऐसी कोई समस्या नहीं है।

- **श्री नीलांजन करफा-जेफरीज**

- ठीक है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- तो यह केवल रु. 9,000 करोड़ है। निजी क्षेत्र का एनपीए जहाँ आय न होने **संबंधी** कुछ मुद्दे हैं।

- **श्री नीलांजन करफा-जेफरीज**

- ठीक है, ठीक है। ठीक है श्रीमान। धन्यवाद।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- धन्यवाद।

- **संचालक**

- धन्यवाद। अगला प्रश्न लेने से पूर्व मैं भागीदारों को याद दिलाना चाहता हूँ कि आप प्रश्न पूछने के लिए * तथा 1 दबा सकते हैं। अब हम अगला प्रश्न फिलिप कैपिटल के मनीष अग्रवाल से लेते हैं। कृपया पूछें।

- **श्री मनीष अग्रवाल-फिलिप कैपिटल**

- अवसर देने के लिए धन्यवाद। श्रीमान जी यदि मैं सितम्बर माह की सीईए की व्यापक स्थिति रिपोर्ट देखूँ तो अब निर्माणाधीन निजी क्षेत्र की कुल ऊर्जा परियोजनाएँ लगभग 25000 मेगावाट की हैं। जिसमें से लगभग 12000 विषम मेगावाट की परियोजनाएं अनिश्चित हैं। तो पहला प्रश्न यह कि हम समग्र तन्त्र के लिए इसे एनपीए के रूप में कब स्वीकार करेंगे? और इस परियोजना का प्रतिफल क्या होगा? क्योंकि इनमें से कुछ परियोजनाओं के लिए पहले ही निवेश किया जा चुका है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- मैं आपका प्रश्न नहीं समझा। लेकिन निजी स्वामित्व की उन परियोजनाओं के विषय में कुछ बता सकता हूँ जिन्हें हमने वित्तपोषित किया है। हमारा कुल ऋण, सकल ऋण परिसम्पत्ति लगभग 2.58 लाख करोड़ है जिसमें उत्पादन परिसम्पत्तियाँ 1.88 लाख करोड़ की हैं। जो लगभग 79000 मेगावाट है। इसमें से 80% सरकारी स्वामित्व है।

- **श्री मनीष अग्रवाल-फिलिप कैपिटल**

- नहीं मुझे ये संख्या पता है श्रीमान। मैं ये संख्याएँ सुन चुका हूँ। मेरा प्रश्न निर्माणाधीन परियोजना के विषय में जिसकी स्थिति अनिश्चित है। तो जब मैं इस रिपोर्ट को देखता हूँ तो लगभग आधी निर्माणाधीन परियोजनाएँ, निजी क्षेत्र की ऊर्जा परियोजनाओं की स्थिति अनिश्चित है। तो केवल जानना चाहता था कि....

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- मैं अन्य परियोजनाओं के विषय में नहीं कह सकता, लेकिन हमने जिन्हें वित्त पोषित किया है उनकी स्थिति के विषय में हम पूरी तरह से चैतन्य हैं चाहे वे पीपीए हों या एफएसए हों। यदि वहाँ कोई समस्या है तो हम अन्य ऋणदाताओं के साथ उन मुद्दों को सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं। जैसे मैं बताना चाहूँगा कि केएसके एनर्जी, जो 6X600 मेगावाट की परियोजना है और हम इस परियोजना को मानक बनाये रखने के लिए जो भी कदम उठाना चाहिए उसके विषय में पूरी तरह जागरूक हैं। जैसे इसकी 4 इकाइयों को पीपीए प्राप्त हुआ है। उन्हें शक्ति के अधीन कोयले का लिंकेज प्राप्त हुआ है। तीसरी इकाई के दिसम्बर में प्रवर्तित होने की सम्भावना है। लेकिन हम डेवलपर के निरन्तर सम्पर्क में हैं और हम एक अच्छा डेवलपर ढूँढने के लिए भी प्रयास कर रहे हैं। **प्रबंधन** को परिवर्तित करने पर भी विचार हो रहा है। इसी प्रकार एक अन्य परियोजना लैंको अमरकंटक है जो लगभग 88% पूरी हो चुकी है। अत: हम इस पर गम्भीरता से कार्य कर रहे हैं। मैं कहना चाहूँगा कि हमने जो स्वीकृत किया है वह विभिन्न परियोजनाओं पर आरबीआई के उपलब्ध वैधानिक ढांचे के अधीन है। हम प्रत्येक परियोजना के विषय में पूर्ण रूप से जागरूक हैं कि कौन-से कदम उठाये जाने की आवश्यकता है, इसकी कितनी आवश्यकता है और हम कोयला प्राप्त करने, पीपीए प्राप्त करने तथा जो कुछ भी आवश्यक है उसमें हम उनकी मदद कर रहे हैं।

- **श्री मनीष अग्रवाल-फिलिप कैपिटल**

- ठीक है, जो उत्तर अभी आपने दिया है उसमें मैं जोड़ना चाहता हूँ कि क्या आप रतन इंडिया नासिक परियोजना की स्थिति के विषय में भी बतायेंगे? आप उसे कैसे देखते हैं?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- हम उस पर पहले ही एसडीआर कर चुके हैं।

- **श्री मनीष अग्रवाल-फिलिप कैपिटल**

- ठीक है। यह समझौता कब तक पूरा हो जायेगा? यह अवधि समाप्त होने के बाद?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- 18 महीने।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- 18 महीने और इसी बीच हम महाराष्ट्र जीईएनसीओ से भी बातचीत कर रहे हैं कि क्या वे इस परियोजना का अधिग्रहण कर सकते हैं। उनके ऊर्जा सचिव तथा महाराष्ट्र जीईएनसीओ के सीएमडी से मेरी 2-3 बैठकें हो चुकी हैं। और मैंने एक अन्य रिमाइण्डर (स्मरण पत्र) भेजा है। अत: हम इन परियोजनाओं के पुनरुद्धार के लिए विभिन्न विषयों पर कार्य कर रहे हैं।

- **श्री मनीष अग्रवाल-फिलिप कैपिटल**

- तो यह समझौता कब तक हो जायेगा श्रीमान? केवल समय सीमा?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- देखिए हमें सितम्बर तक इसके पूर्ण होने की आशा है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- हमने 26 सितम्बर, 2017 की घोषणा की है। अत: हमारे पास 18 महीने हैं।

- **श्री मनीष अग्रवाल-फिलिप कैपिटल**

- बिल्कुल, बिल्कुल। धन्यवाद श्रीमान, समझ गया।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- बहुत-बहुत धन्यवाद।

- **संचालक**

- आपको भी धन्यवाद। अब हम अगला प्रश्न विंडएकड़ के एंड्रू लुंडस्ट्रोम से लेंगे। कृपया पूछिए। एंड्रू आपकी लाइन म्यूट (शान्त) नहीं है। कृपया अपना प्रश्न बतायें।

- **श्री एंड्रू लुंडस्ट्रोम-विंडकेयर**

- धन्यवाद। आपने कहा कि बैंक तथा उदय योजना की प्रतिस्पर्द्धा से ब्याज दरों में संशोधन करना पड़ा। क्या आप इस विषय में विस्तार से बतायेंगे? और कृपया बतायें कि बैंकों की तुलना में वर्तमान ऋणों पर आपके ऋण दरों में कितनी कमी होने वाली है। साथ ही क्या आपकी वित्तीय लागतें अत्यन्त धीमी गति से पुन: व्यवस्थित हो रही हैं तो क्या यह अस्थायी दबाव है अथवा यह स्थायी दबाव है? धन्यवाद।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- विशेष रूप से हमने पहले ही उदय योजना के पश्चात राज्य ऊर्जा संस्थानों की जिन परिसम्पत्तियों को वित्त पोषित किया है हमें उन परिसम्पत्तियों का पुन: मूल्य संशोधन करना है। वे लगभग 1,80,000 करोड़ की थीं। यह कार्य किया जा चुका है और अब कोई दबाव नहीं है। बल्कि हमें पीएफसी के **प्रबंधन** के गम्भीर प्रयासों से अपनी वित्त संग्रहण योजना में सकारात्मकता प्राप्त हुई है, हम 54 ईसी बाण्ड प्राप्त कर चुके हैं जो लगभग 5.25% की प्राप्ति है। अत: हमारी उधारियों की लागत कम होगी। हम अपनी उधारियों को विशाखीकृत करने का प्रयास कर रहे हैं और हमने केवल इसी सप्ताह में 300 मिलियन ईसीबी को पहले ही अंजाम दे दिया है। और हम 10 वर्षों हेतु ग्रीन बॉण्ड उगाही की सम्भावना भी तलाश करने का प्रयास कर रहे हैं।

- **श्री एंड्रू लुंडस्ट्रोम-विंडकेयर**

- धन्यवाद।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- बहुत-बहुत धन्यवाद।

- **संचालक**

- हम अगला प्रश्न एक्सेलसियर कैपिटल के शेखर सिंह से लेंगे। कृपया पूछिए।

- **श्री शेखर सिंह-एक्सेलसियर कैपिटल**

- केवल जानना चाहता था कि इस 90 दिवसीय प्रावधानिक मानदण्डों की भाँति क्या हम इसका पूर्ण अनुपालन कर रहे हैं अथवा अब भी इसके लिए कोई अन्य उपाय है?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- अभी हम 4 मासीय नीति का अनुपालन कर रहे थे। और 31 मार्च से यह 90 दिवसीय हो जायेगा।

- **श्री शेखर सिंह-एक्सेलसियर कैपिटल**

- तो वर्तमान में अपनी बही के किस अंश को 90 दिवसीय पर रख रहे हैं?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- अभी हम 4 मासीय नीति पर चल रहे हैं।

- **श्री शेखर सिंह-एक्सेलसियर कैपिटल**

- 4 महीने, ठीक है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- हाँ। और 31 मार्च से यह 90 दिवसीय हो जायेगा।

- **श्री शेखर सिंह-एक्सेलसियर कैपिटल**

- और क्या आप बतायेंगे कि इसके क्या प्रभाव हो सकते हैं?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- हमें इसके अधिक प्रभाव की आशा नहीं करते हैं। क्योंकि हम इसके लिए पहले से ही तैयार हैं।

- **श्री शेखर सिंह-एक्सेलसियर कैपिटल**

- ठीक है। और अन्त में लाभांश के सन्दर्भ में क्या योजना है? क्या आप लाभांश के साथ योजना जारी रखेंगे या इसमें वृद्धि करेंगे या ऐसा कुछ?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- अभी इसकी भविष्यवाणी करना बहुत कठिन है।

- **श्री शेखर सिंह-एक्सेलसियर कैपिटल**

- ठीक है, ठीक है। बहुत-बहुत धन्यवाद श्रीमान।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- धन्यवाद।

- **संचालक**

- धन्यवाद। अब हम अगला प्रश्न दैव कैपिटल के पुनीत श्रीवास्तव से लेंगे। कृपया पूछिए।

- **श्री पुनीत श्रीवास्तव-दैव कैपिटल**

- धन्यवाद श्रीमान। केवल एक प्रश्न प्रवर्तन पर जिसमें आप ऋण के उस तात्विक भाग के विषय में बता रहे थे जो कुछ समय पूर्व प्रवर्तित हुआ है। अब हम गत 2 वर्षों में 30% से लगभग 70% तक पहुँच गये हैं। श्रीमान केवल जानना चाहता हूँ कि किस प्रकार-मेरा मतलब मूल्य की किस प्रकार की गति हमने देखी जबकि ब्याज दरें एकसमान रहीं। मेरा मतलब प्रवर्तन के पश्चात क्या आपने दरों में कमी देखी और किस सीमा तक? यदि यह सम्भव हो तो श्रीमान।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- प्रतिस्पर्द्धा हो सकती है लेकिन हम प्रवर्तित परियोजनाओं का पुनर्वित्तपोषण कर रहे हैं। और हम उन्हें अत्यन्त आकर्षक ब्याज दरें उपलब्ध करा रहे हैं। लेकिन अपने सीमान्त (लाभ) बरकरार रखते हुए।

- **श्री पुनीत श्रीवास्तव-दैव कैपिटल**

- ठीक है, धन्यवाद श्रीमान।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- धन्यवाद।

- **संचालक**

- धन्यवाद। चूंकि अब साझेदारों की ओर से कोई अन्य प्रश्न नहीं है तो अब मैं इस कांफ्रेस के समापन भाषण के लिए श्री आर. श्रीशंकर को आमन्त्रित करता हूँ।

- **श्री आर. श्रीशंकर-प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड**

- इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए समय देने हेतु शर्मा जी, गुप्ता जी और पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन** टीम को धन्यवाद। और मैं पावर फाइनेंस **कॉर्पोरेशन** की वित्त वर्ष 18 की इस द्वतीय तिमाही के कांफ्रेस कॉल में आने के लिए सभी भागीदारों का धन्यवाद करता हूँ।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- बहुत-बहुत धन्यवाद। धन्यवाद।

- **संचालक**

- इस कांफ्रेंस के समापन अवसर पर प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड की ओर से आप सभी का धन्यवाद। हमारे साथ बने रहने के लिए आपका धन्यवाद और अब आप अपनी लाइनें डिसकनेक्ट कर सकते हैं।

- **पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड तिमाही 2 वित्तीय वर्ष 18 अर्निंग**
- **सम्मेलन का नाम:** - **सम्मेलन काल** -
- **समय:** - **भारतीय समय 15.00 बजे, 07 नवंबर, 2017**
- **प्रबंधक - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड**
- **मुख्य वक्ता(ओं):** - **श्री आर. श्रीसंकर प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड**
- - *वक्ता सहित कुल 113 प्रतिभागी*
- - - **प्रतिभागी सूची**
- - - -

| **क्रम सं.** | **नाम** | **फोन** | **कंपनी** |
|---|---|---|---|
| - | **आयोजक : प्रबंधन** | **1123456944** | **पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड** |
| - | **आयोजक कर्ता: आर. श्री शंकर** | **2266322214** | **प्रभुदास लीलाधर** |
| - | आर्श देसाई | 2264539772 | वालम कैपिटल |
| - | अभिरंजन गुप्ता | 2271258020 | एचडीएफसी एग्रो जनरल इंश्योरेंस |
| - | अभिषेक सेराफ | 2271804221 | डच बैंक |
| - | अखंड प्रताप सिंह | 2240278991 | वे2वेल्थ सिक्योरिटीज |
| - | अमे साठे | 2266578262 | टाटा म्युचुअल फंड |
| - | अमी पारेख | 8082466052 | एफईजीएमएल |
| - | अमित प्रेमचंदानी | 2266786728 | यूटीआई म्युचुअल फंड |
| - | एंद्री लियो | 12038101000 | फेक्टसेट |
| - | एंड्रयू लैंडस्ट्रॉम | 16508677175 | विंडएक्रे |
| - | अंकित चौधरी | 7961909580 | इक्यूरस सिक्योरिटीज |
| - | अंकित जैन | 2233704399 | बीएनपी परीबास |
| - | अंकुल मिश्रा | 2240987102 | एंजल ब्रोकिंग |
| - | अपूर्व बहादुर | 2266377419 | आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज |
| - | अशोक चोकसे | 2226240533 | फिलिप कैपिटल |
| - | आशुतोष मिश्रा | 8850041733 | रिलायंस सिक्योरिटीज |
| - | अश्विनी अग्रवाल | 2230741072 | बरोदा पायोनियर म्युचुअल फंड |
| - | अवनीश तिवारी | 2240907140 | ईस्ट ब्रिज कैपिटल |
| - | बंटी चावला | 2240317276 | बी एंड के सिक्योरिटीज |
| - | चांदना झा | 2267720576 | प्रिंसीपल म्युचुअल फंड |
| - | चंद्र प्रकाश | 2266171765 | अलचेमी कैपिटल |
| - | चेतन शाह | 2267310154 | इन्वेस्को |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| - | दीपक अग्रवाल | - | 2261648523 | एलारा कैपिटल |
| - | देवेश तोकवाल | - | 2233035068 | रिलायंस लाइफ इंश्योरेंस |
| - | दिंगत हरिया | - | 2240313422 | एंटीक्यू स्टॉक ब्रोकिंग |
| - | दीपांजन घोस | - | 2243360888 | कोटेक **सिक्योरिटीज** |
| - | दृष्टि शाह | - | 2261367456 | इन्वेस्टेक कैपिटल सर्विसिस |
| - | एलेश गोपानी | - | 2267700475 | गोपानी **सिक्योरिटीज** |
| - | एल्ला थॉन | - | 7200785855 | एस एंड पी ग्लोबल |
| - | एल्ला थॉर्नी | - | 8438502066 | एस एंड पी ग्लोबल |
| - | गजेन्द्र देवपुरा | - | 2262446000 | एक्साइड लाइफ इंश्योरेंस |
| - | गौरव चामधामारिया | - | 7021824134 | एचसीएल कॉर्पोरेशन |
| - | गौरव दूवा | - | 2266104635 | शारेखान लिमिटेड |
| - | गौरव जैन | - | 8383842544 | इंडीविडुअल इन्वेस्टर |
| - | गिरीश राज | - | 2224066725 | गेस्ट इन्वेस्टमेंट्स |
| - | गोपाल अग्रवाल | - | 2266578219 | टाटा म्युचुअल फंड |
| - | गुरविंदर वासन | - | 2267720569 | प्रिंसीपल म्युचुअल फंड |
| - | हरि रवि शंकर | - | 85237933001 | ईशाना कैपिटल |
| - | हरीश सुब्रमनियन | - | 2267516103 | एचडीएफसी स्टैंडर्ड लाइफ इंश्योरेंस |
| - | हरशद बोरावैक | - | 2267800358 | मिराए एस्सेट मैनेजमेंट कंपनी |
| - | हर्षित तोसनीवाल | - | 2266377230 | आईसीआईसीआई **सिक्योरिटीज** |
| - | हिमाली | - | 2240317134 | बी एंड के **सिक्योरिटीज** |
| - | जेम्स मॉर्डन | - | 6565134101 | सेंट लूसिया एस्सेट मैनेजमेंट |
| - | जमील अंसारी | - | 2249711564 | रिनाईसेंस इन्वेस्टमेंट्स |
| - | कल्पेश पारीख | - | 2266322243 | प्रभुदास लीलाधर |

| **क्रम सं.** | **- नाम** | **- फोन** | **- कंपनी** |
|---|---|---|---|
| - | कमल वर्मा | 2266505004 | सीएलएसए |
| - | कमलेश कोटक | 2243435222 | एशियन मार्केट **सिक्योरिटीज** |
| - | करन गुप्ता | 2261964367 | बीएनपी परिबास |
| - | करना सिंह | 9920531069 | जेएम फाइनेंसियल |
| - | किरन छेदा | 2224394482 | छेदा इन्वेस्टमेंट कन्सल्टेंसी |
| - | किशन गुप्ता | 3344880043 | सीडी इक्विसर्च |
| - | - कुनाल शाह | 2266203076 | ईडलवाइज **सिक्योरिटीज** |
| - | कुशान पारीख | 2266242431 | एमके ग्लोबल |
| - | मनीश अग्रवाल | 2262464125 | फिलिप कैपिटल |
| - | मनीश बंदी | 9967576081 | रोका कैपिटल |

| | | | |
|---|---|---|---|
| - | मनीश कारवा | 2271804212 | डच बैंक |
| - | मनीशा पोरवाल | 2266242741 | तौरस म्युचुअल फंड |
| - | मनोज्ञाना परीमी | 2243568084 | बिरला म्युचुअल फंड |
| - | माय क्रुज | 7418012145 | एस एंड पी ग्लोबल |
| - | मयुर गधारी | 2243471882 | ओम पोर्टफोलियो |
| - | मेघना लुटरा | 2266221016 | दईवा कैपिटल |
| - | नमेश छंगानी | 2266481474 | एवेन्डस कैपिटल |
| - | नवीन बंसल | 7819812346 | विशाल इस्पात प्राइवेट लिमिटेड |
| - | नीलेश सुराना | 2267800357 | मिराय एस्सेट मैनेजमेंट कंपनी |
| - | निखिल जालान | 2267196483 | बारक्लेस |
| - | निखिल वलेचा | 2266303027 | जेएम फाइनेंसियल |
| - | नीलांजन कारफा | 2242246118 | जेफरीज |
| - | निस्चिंत चावते | 2243360887 | कोटक **सिक्योरिटीज** |
| - | निशित शाह | 2240044744 | वी सोलिटेक इन्वेस्टमेंट एडवायजर्स |
| - | पथिक गंडोत्रा | 2267314330 | द्रोण कैपिटल |
| - | पीटर नेल्शन | 16613804733 | सिटीग्रुप |
| - | प्रफुल कुमार | 2262154018 | एमएसडी पार्टनर्स |
| - | प्रमोद पांडे | 2222864531 | सिलायंस ट्रीसुरी |
| - | प्रणय अग्रवाल | 7003144032 | उद्योग कैपिटल |
| - | प्रशांत कुमार | 9987413191 | सुनिधि **सिक्योरिटीज** |
| - | प्रीतेश बम्ब | 2266322232 | प्रभुदास लीलाधर |
| - | पुनीत श्रीवास्तव | 2266221013 | - दईवा कैपिटल |
| - | पीवीके मोहन | 2267720564 | प्रिंसीपल म्युचुअल फंड |
| - | रघु गरिमिल्ला | 8143372162 | - इंडीविडुअल इन्वेस्टर |
| - | राहुल सिंह | 8369352604 | फेडुसियारी यूरोमैक्स कैपिटल |
| - | रजत जैन | 2267720560 | **प्रिंसीपल म्युचुअल फंड** |
| - | राकेश बंसल | 7506406260 | रतन इंडिया फाइनेंस |
| - | रिशुभ वासा | 2267526646 | अलमोन्डज ग्लोबल **सिक्योरिटीज** |
| - | रूपेश पटेल | 2266578225 | टाटा एस्सेट मैनेजमेंट |
| - | रूशाभ शेठ | 2262327201 | कर्मा कैपिटल |
| - | सचिन गामरे | 2261047509 | ईडेन इन्वेस्टमेंट्स |
| - | सचिन मोटवानी | 2267314033 | परम कैपिटल |
| - | सैम जोन्स | 15595158686 | यूबीएस ग्रुप |
| - | समीर दलाल | 2242134422 | नटवरलाल एंड सन्स स्टॉक ब्रोकर्स |
| - | सपना लाहा | 2239500541 | बजाज होल्डिंग्स |

| | | | |
|---|---|---|---|
| - | सेजल दोशी | 2226593009 | आई एंड एफएस |
| - | शेखर सिंह | 9820608453 | एक्सासर कैपिटल |
| - | शिव कुमार | 4428332719 | यूनिफाई कैपिटल |
| - | शिवांग अहोजा | 3340326405 | एसकेएस कैपिटल |
| - | श्रीजन सिन्हा | 2243410705 | फ्यूचर जनरल लाइफ इंश्योरेंस |
| - | शुभ्रांशु मिश्रा | 2261291540 | मोतीलाल ओसवाल **सिक्योरिटीज** लिमिटेड |
| - | श्याम कुमार | 9449154034 | इंडीविडुअल इन्वेस्टर |
| - | सिद्धार्थ भोटिका | 2230431051 | अवीवा लाइफ इंश्योरेंस |
| - | सिद्धेश म्हात्रे | 2240439000 | एसपीए **सिक्योरिटीज** |
| - | सोहैल हलाई | 2267048066 | सिस्टमेटिक्स शेयर्स एंड स्टॉक्स |
| - | श्रीनिवासन आर. | 2239209311 | आईडीबीआई फेडरल लाइफ इंश्योरेंस |
| - | सुब्रमनियन अय्यर | 2261182234 | मोरगन स्टेनले |
| - | सुदेश माल्या | 8041243101 | मिराबिलीस कैपिटल लिमिटेड |
| - | सुजीत कवातकर | 2261961124 | आईसीआईसीआई लोमबर्ड |
| - | सुनील कुमार | 2266392055 | एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस |

| - | - **नाम** | - **फोन** | - **कंपनी** |
|---|---|---|---|
| - | उमंग शाह | 2266242468 | एमके ग्लोबल |
| - | विजय जी. | 2225230186 | कैपिटल मार्केट |
| - | विकास मुंद्रा | 2243251126 | एक्सिस कैपिटल |
| - | विकेश मेहता | 2243251133 | एक्सिस कैपिटल |
| - | विनय शाह | 2233037069 | रिलायंस म्युचुअल फंड |
| - | विनोद चारी | 2240969776 | दोलत कैपिटल |
| - | यश अग्रवाल | 2243347015 | क्रेस्ट कैपिटल |